शक्ति

जो उद्घाटित करते हैं रहस्य दैवीय नामों के

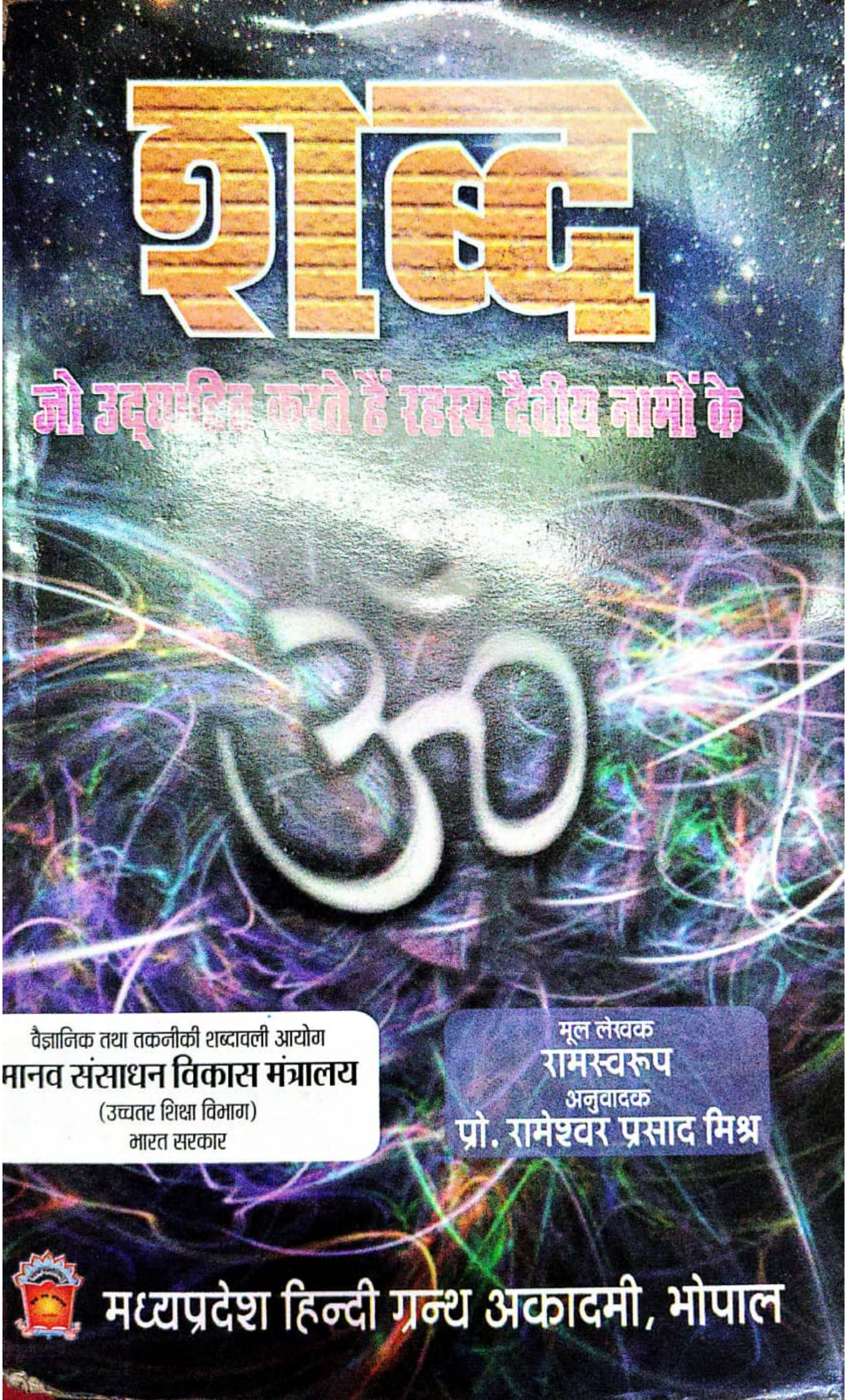

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(उच्चतर शिक्षा विभाग)
भारत सरकार

मूल लेखक
रामस्वरूप
अनुवादक
प्रो. रामेश्वर प्रसाद मिश्र

मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

शब्द

जो उद्‌घाटित करते हैं रहस्य दैवीय नामों के

The word as revelation : Names of Gods by Shri Ramswaroop
Translated & Edited by Prof. R.P. Mishra

© प्रो. रामेश्वर प्रसाद मिश्र

प्रादेशिक भाषाओं में विंश्वविद्यालय स्तरीय ग्रन्थों के निर्माण की, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय शिक्षा विभाग की केन्द्र प्रवर्तित योजनान्तर्गत, भारत सरकार द्वारा रियायती दर पर उपलब्ध करवाए गए कागज एवं मध्यप्रदेश शासन की ओर से प्राप्त अनुदान की मदद से रियायती मूल्य पर मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल द्वारा प्रकाशित।

प्रकाशक : मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
रवीन्द्रनाथ टैगोर मार्ग, बाणगंगा,
भोपाल (म.प्र.) 462003
दूरभाष (0755) 2553084
फैक्स (0755) 2762123

संस्करण : प्रथम 2012

मूल्य : ₹ 120.00 (एक सौ बीस) मात्र

मुद्रक : ममता प्रिंटर्स, भोपाल, (म.प्र.) दूरभाष- 0755-2757272

विषयानुक्रमणिका

क्र.	शीर्षक	पृष्ठ
i.	शीर्षक	i
ii.	आमुख	I
1.	वाक् ध्वनियाँ	1
2.	नई वस्तुओं के नामकरण की प्रक्रिया	26
3.	धातुएँ	45
4.	समानार्थक शब्द	65
5.	अर्थों के बहुआयामी स्तर और उनमें अंतर्निहित एकता	84
6.	अंत:करण : बुद्धि का आंतरिक अवयव	97
7.	भूमियाँ : शुद्धता के स्तर	117
8.	उच्चतर अर्थ : उनके गुह्य आवास और उनकी गोपनीय कुँजी	132
9.	वैदिक देवता : मूर्त्त प्रतिमाएँ	150
10.	देवताओं के नाम : वैदिक	163
11.	वैदिक देवता : एक परमेश्वर : अनेक देवता : अद्वैत	174
12.	देवताओं के नाम : वैदिक काल के पश्चात	195
13.	देवताओं के नाम : उनके गुण-लक्षण	208
14.	देवताओं के नाम : उनकी रूपांतरणकारी शक्तियाँ	217

लेखक : श्री रामस्वरूप

दार्शनिक योगी। जन्म [illegible] 1920 ई. (देहत्याग : 27 दिसम्बर 1998)। शिक्षा- दिल्ली विश्वविद्यालय से [illegible] स्वाधीनता सेनानी। स्वतंत्रता आन्दोलन में कारावास भी गए। 1947 ईस्वी [illegible] की अंग्रेज शिष्या मिस स्लेड (मीरा बेन) के सहयोगी। पशुलोक ([illegible]) 1950 के दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका में कई बार व्याख्यान के लिए [illegible] कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति आइजन हावर से विमर्श। विश्वभर के सनातन धर्म [illegible] प्राचीन यूरोपीय पैगन-धर्मों तथा अरब एवं अफ्रीका के प्राचीन धर्मों के साधकों एवं अमेरिका के मूल निवासियों के धर्मों के साधकों से आत्मीय सम्बन्ध। 'दि टाइम्स ऑफ इंडिया', 'इंडियन एक्सप्रेस', 'दि हिन्दुस्तान टाइम्स', 'आर्गनाइजर', 'पाञ्चजन्य', 'हिन्दुइज्म टुडे' आदि पत्रों-पत्रिकाओं में अनेक लेख एवं भेंटवार्ताएँ प्रकाशित होती रही थीं।

प्रकाशित प्रसिद्ध पुस्तकें हैं -

1. सनातन धर्म : अनुस्मृति एवं अनुध्याय
2. शब्द : जो उद्घाटित करते हैं रहस्य दैवीय नामों के (वॅ:ड एज रेविलेशॅन : नेम्स ऑव गॉड्स)
3. हिन्दू व्यू ऑव क्रिश्चिएनिटि एण्ड इस्लाम
4. मेडिटेशॅन्स
5. हिन्दुइज्म वीजा वी बुद्धिज्म
6. पोप जॉन पॉल सेकॅन्ड ऑन ईस्टन रिलिजॅन्स
   एंड योग-ए हिन्दू - बुद्धिस्ट रिजॉइन्डॅ
7. कम्यूनिज्म एंड पेजॅन्ट्रि
8. वुमॅन इन इस्लाम
9. अॅन्डॅस्टैन्डिंग इस्लाम थ्रू हदीस
10. गांधिज्म एंड कम्युनिज्म
11. दि गांधियन इकॉनॉमिक्स

ISBN : 978-81-920281-6-3